>

Title: Need for central assistance to drought affected areas of Bihar particularly Nalanda.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालन्दा) : बिहार में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी भयंकर सूखा आ गया है । कहीं भी धान की रोपाई नहीं हो रही है । इस वर्ष किसानों की माली हालत बहुत खराब होने से उनकी स्थिति ऐसी नहीं है कि वे पम्पिंग सेट चलाकर धान की रोपाई कर सके । धान की रोपाई नहीं होने से कहीं भी किसानों के पास चावल नहीं हैं । गल्ला मण्डी में भी चावल दूसरे राज्यों से नहीं आ रहा है । इस पर सरकारी रोक लगी हुई है । लोग दाने-दाने को त्राहि-त्राहि मचा रहे हैं । छोटे-छोटे बच्चे भूख से परेशान होकर स्कूल नहीं जा रहे हैं, महिलाएं, बूढ़े, मर्द सभी भूख से परेशान हैं । गल्ला मंडी में जो भी मोटा चावल है, वो बीस रुपये किलोग्राम से नीचे नहीं बिकता है । लोगों की हालत ऐसी नहीं है कि वो खरीद सकें । राज्य सरकार की चरमराती वित्तीय हालत भी इस स्थिति में मदद नहीं कर सकती । ऐसी स्थिति में, मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूँ कि वो आठ रुपये किलोग्राम की दर से सभी को चावल उपलब्ध कराये एवं इसकी अधिसूचना इसी सत्र में माननीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री महोदय सदन में घोषणा करें तभी बिहार राज्य में लोगों की जान बचेगी । इसके लिए नालन्दा जिला समेत उन सभी जिलों की पहचान कर ली जाये जहाँ भयंकर सूखा पड़ गया है और धान की रोपाई नहीं हुई है । इसके लिए एक केन्द्रीय टीम भी भिजवायी जाये जो जाकर वहाँ पर अध्ययन करे और रिपोर्ट से सरकार को अवकत कराये ।